ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–८७
दिनांक– शुक्रवार, १२ नवम्बर, २०२१

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय बेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 29.9 एवं 15.4 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 96 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 49 प्रतिशत, हवा की औसत गति 6.0 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 2.6 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 8.8 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 19.7 एवं दोपहर में 30.3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(13–17 नवम्बर, 2021)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 13–17 नवम्बर, 2021 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान प्रायः साफ तथा इस दौरान मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 28 से 30 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान 15 से 17 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 60 से 70 प्रतिशत तथा दोपहर में 30 से 40 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- औसतन 3 से 5 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से अगले 2–3 दिनों तक सीवान एंव गोपालगंज में पछिया तथा अन्य जिलो में पूरवा हवा चलने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- धान की कटनी तथा दौनी के कार्य को उच्च प्राथमिकता दे कर पूरा करने का प्रयास करें। विगत माह बोयी गई मटर, राजमा, लहसून एवं सब्जियों वाली फसलें– बैगन, टमाटर, मिर्च, पत्तागोभी एवं फूलगोभी में निकाई गुराई तथा आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। सब्जियों में कीट–व्याधी की निगरानी करें। प्याज की श्वस्थ पौध के लिए पौधशाला से प्रत्येक १० से १२ दिनों के अन्तराल में खरपतवार निकाल कर हल्की सिंचाई करें।
- गेंहुँ की बुआई के लिए मौसम अनुकुल हो गया है। अतः किसान भाई खेतों की तैयारी कर इसकी बुआई कर सकते है। खेत की तैयारी के समय १५०–२०० क्विटल कम्पोस्ट का प्रयोग करें। बुआई के समय ६० किलोग्राम नेत्रजन, ६० किलोग्राम फॉसफोरस एवं ४० किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। सिंचित एवं समान्य समय पर बुआई हेतु पी०बी०डब्लू०–३४३, पी०बी०डब्लू०–४४३, एच०डी०–२७३३, एच०डी०–२८२४, के०–९१०७, के०–३०७, एच०यू०डब्लू०–२०६ एवं एच०यू०डब्लू०–४६८ किस्मों की व्यवस्था करें।
- आलू की कुफरी चन्द्रमुखी, कुफरी अशोका, कुफरी पुखराज, कुफरी बादशाह, कुफरी लालीमा, कुफरी ज्योति, कुफरी सिंदुरी, कुफरी आनन्द, कुफरी पुष्कर, कुफरी अरुण, कुफरी गिरधारी, कुफरी सदाबहार, राजेन्द्र आलू– १, राजेन्द्र आलू– २ तथा राजेन्द्र आलू–३ किस्मों की रोपाई उच्च प्राथमिकता देकर करें। बीज दर २५–३० क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखे। पंक्ति से पक्ति की दुरी ५०–६० से०मी० एवं बीज से बीज की दुरी १५–२० से०मी० रखें। आलू को काट कर लगाने पर तीन स्वस्थ आँख वाले टुकडे को उपचारित कर २४ घंटे के अन्दर लगावे। बीज को एगलाँल या एमीसान के ०.५ प्रतिशत घोल या डाइथेन एम० ४५ के ०.२ प्रतिशत घोल में १० मिनट तक उपनचारित कर छाया में सुखाकर रोपनी करे। समूचा आलू (२०–४० ग्राम) लगाना श्रेष्ठकर है। खेत की जुताई में कम्पोस्ट २००–२५० क्विटल, ७५ किलोग्रम नेत्रजन, ६० किलोंग्रम फास्फोरस एवं १०० किलोग्रम पोटाश प्रति हेक्टर की दर से प्रयोग करें।
- रबी मक्का की बुआई उच्च प्राथमिकता देकर करें। इसके लिए संकर किस्में शक्तिमान १ सफेद, शक्तिमान २ सफेद, शक्तिमान–३ पीला, शक्तिमान ४ पीला, शक्तिमान–५ पीला, गंगा ११ नारंगी पीला, राजेन्द्र संकर मक्का १, राजेन्द्र संकर मक्का २ एवं राजेन्द्र संकर मक्का दीप ज्वाला तथा संकुल किस्में– देवकी सफेद, लक्ष्मी सफेद एवं सुआन पीला इस क्षेत्र के लिए अनुसंशित है। खेत की जुताई में ५० किलोग्रम नेत्रजन, ७५ किलोग्रम फास्फोरस एवं ५० किलोग्रम पोटाश प्रति हेक्टर की दर से प्रयोग करें।
- चना की बुआई के लिए उपयुक्त समय चल रहा है। चना के लिए उन्नत किस्म पूसा–२५६, के०पी०जी०–५६(उदय) एवं पूसा ३७२ अनुशंसित हैं। बुआई से पूर्व बीज को बेबीस्टीन २.५ ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। कजरा पिल्लू से बचाव हेतु क्लोरपाईरीफॉस ८ मि०ली० प्रति किलोग्राम की दर से २४ घंटा बाद बीज में मिलावें। पुनः २४ घंटे छाया में रखने के बाद राईजोबीयम कल्चर पाँच पैकेट प्रति हेक्टेयर की दर से उपचारित करें। बुआई के समय २० किलोग्राम नेत्रजन, ४५ किलोग्राम फॉसफोरस, २० किलोग्राम पोटास एवं २० किलोग्राम सल्फर प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें।
- मसुर के मल्लिका(के०–७५), अरुण (पी०एल० ७७–१२), बी०आर०–२५ के०एल०एस०– २१८, एच०यू०एल०–५७, पी०एल०–५ किस्मो की बुआई सम्पन्न करने का प्रयास करें। बुआई के २ दिन पूर्व थिरम २ ग्राम+कार्बेन्डाजीम–१ ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से शोधित करे। बुआई के ठीक पहले फुंदनाशक दवा से उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर (५ पैकेट प्रति हेक्टेयर) से उपचारित कर बुआई करें। छोटे दाने की प्रजाति के लिए बीज दर ३०–३५ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर एवं बड़े दाने के लिए ४०–४५ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर एवं बुआई की दुरी पंक्ति से पंक्ति ३० से०मी० रखें। बुआई से पहले खेतों में २० कि०ग्रा० नेत्रजन, ४५ किलोग्राम फॉसफोरस, २० किलोग्राम पोटास एवं २० किलोग्राम सल्फर का प्रयोग करें।

आज का अधिकतम तापमानः 29.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.2 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 16.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.4 डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी